मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 02 अगस्त 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	03/08/19	04/08/19	05/08/19	06/08/19	07/08/19
वर्षा (मि.मी.)	39	25	10	9	11
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	34	35	36	35	37
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	26	27	28	28	27
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	8	8	7	6	7
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	82	79	77	76	78
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	27	26	26	25	26
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	20	22	21	18	17
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
		वातावरण में नमी व वर्षा की सम्भावना को देखते हुए पौध संरक्षण रसायनों का छिड़काव मौसम के खुलने पर ही करें।
बाजरा	वानस्पतिक	बाजरा की फसल में बुवाई के 20–25 दिन बाद वर्षा के दिन 20 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर दें।
मूंगफली		मूंगफली की फसल में सफेद लट की रोकथाम के लिए चार लीटर क्लोरपायरिफॉस 20 ई.सी. प्रति हैक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला कर वर्षा के दिन कतारों के बीच में भुरकाव करें।
कपास		कपास में चितकबरी सूंडी का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण के लिए फेनवेलरेट 20 ई.सी. 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
भिण्डी	पुष्पन	भिण्डी में पीतशीरा मोजेक रोग र्स्वाधिक हानी पहुचानें वाला रोग है इस रोग में पत्तियों की शीराएं पीली पड़ जाती है तथा कुछ समय बाद पत्तियां व फल पीले पड़ जाते है। इसके नियंत्रण हेतु एसीटामीप्रिड 0. 3–0.5 मि.ली. का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करे।
पशु		वर्षा की सम्भावना को देखते हुए पशु बाड़े से जल निकासी के पर्याप्त प्रबन्ध करें ताकि पशुओं को कीचड़ से बचाया जा सकें।

(नौडल ऑफीसर)